Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Inscript 16th February Shift 2
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2018-02-16 18:04:47
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	206205132
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	206205192
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	206205192
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 2062051257 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो मे एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	206205133
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	206205193
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	206205193
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 2062051258 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

ओजोन एक वायुमंडलीय गैस है जिसे हम ऑक्सीजन का एक प्रकार भी कह सकते हैं। ऑक्सीजन के दो परमाणुओं से जुडने से ऑक्सीजन गैस बनती है, जिसे हम सांस लेते समय फेफडो के अंदर खींचते हैं। तीन ऑक्सीजन परमाणुओं के संबंध से ओजोन का एक अणु बनता है। इसका रंग हल्का नीला होता है और इससे तीव्र गंध आती है। ओजोन गैस वायुमंडल में अत्यंत पतली एवं पारदर्शी परत बनाते हैं। वायुमंडल में समस्त ओजोन का कुल 90 प्रतिशत भाग समताप मंडल में पाया जाता है। वायुमंडल में ओजोन का कुल प्रतिशत अन्य गैसों की तुलना में बहुत ही कम है। प्रत्येक दस लाख वायु अणुओं में दस से भी कम ओजोन अणु होते हैं। ओजोन की कुछ मात्रा निचले वायुमंडल में पाई जाती है। रासायनिक रूप से समान होने पर भी दोनों स्थानों पर ओजोन की भूमिका महत्वपूर्ण है। समताप मंडल में यह पृथ्वी को हानिकारक पराबैंगनी विकिरण से बचाने का काम करती है। क्षोभमंडल में ओजोन हानिकारक संदूषक के रूप में कार्य करती है और कभी-कभी प्रकाश रासायनिक धूम भी बनाती है। क्षोभमंडल में यह गैस बहुत कम मात्रा में भी मानव के नुकसान पहुंचा सकती है। समताप मंडल में स्थित ओजोन परत समस्त भूमंडल के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करती है। यह सूर्य की हानिकारक बैंगनी किरणों को उपरी वायुमंडल में ही रोक लेती है, उन्हें पृथ्वी की सतह तक नहीं पहुंचने देती। पराबैंगनी विकिरण मनुष्य, जीव जंतुओं और वनस्पतियों के लिए अत्यंत हानिकारक है। पराबैंगनी किरणों से त्वचा का कैंसर होने की संभावना रहती है। इन किरणों के कारण आंखो में मोतियाबिंद की बीमारी उत्पन्न होती है और यदि समय से उपचार ना किया जाए तो मनुष्य अंधा भी हो सकता है। पराबैंगनी किरणें मनुष्य की प्रतिरोधक क्षमता को कम करती हैं, जिसके कारण वह कई संक्रामक रोगों का शिकार हो सकता है। एक विशेष प्रकार की पराबैंगनी किरणें समुद्र में कई किलोमीटर तक प्रवेश कर समुद्री जीवन को क्षति पहुंचाती हैं। यदि कोई गर्भवती महिला इनके संपर्क में आ जाए तो गर्भस्थ शिशु को अपूर्णीय क्षति हो सकती है। ओजोन परत के संरक्षण हेतु 1985 में आस्ट्रिया की राजधानी में वियना कन्वेंशन संपन्न हुई, ओजोन परत के क्षरण की समस्या पर विश्व भर का ध्यान आकर्षण हेतु संयुक्त राष्ट्र ने 16 दिसम्बर का दिन विश्व ओजोन दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। 16 दिसम्बर, 1987 को सयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वावधान में ओजोन छिद्र से उत्पन्न शंका निवारण हेतु कनाडा के मांट्रियाल शहर में 33 देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे मांट्रियाल प्रोटोकाल कहा जाता है। इस सम्मेलन में यह तय किया गया कि ओजोन परत का विनाश करने वाले पदार्थ कार्बनिक (सी.एफ.सी.) के उत्पादन एवं उपयोग को सीमित किया जाए। भारत ने भी इस प्रोटोकाल पर हस्ताक्षर किए।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes